੧ੳੇ ਸਤਿਗੁਰਪ੍ਰਸਾਦਿ॥

## मी अतंर माणिव अवम प्रविप

ਵਕਤਾ: ਸੰਤ ਗਿਆਨੀ ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ ਜੀ ਖਾਲਸਾ ਭਿੰਡਰਾਂਵਾਲੇ



ਲੇਖਕ : ਗਿਆਨੀ ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਜੀ 'ਲਿਖਾਰੀ ਜਥਾ ਭਿੰਡਰਾਂ'



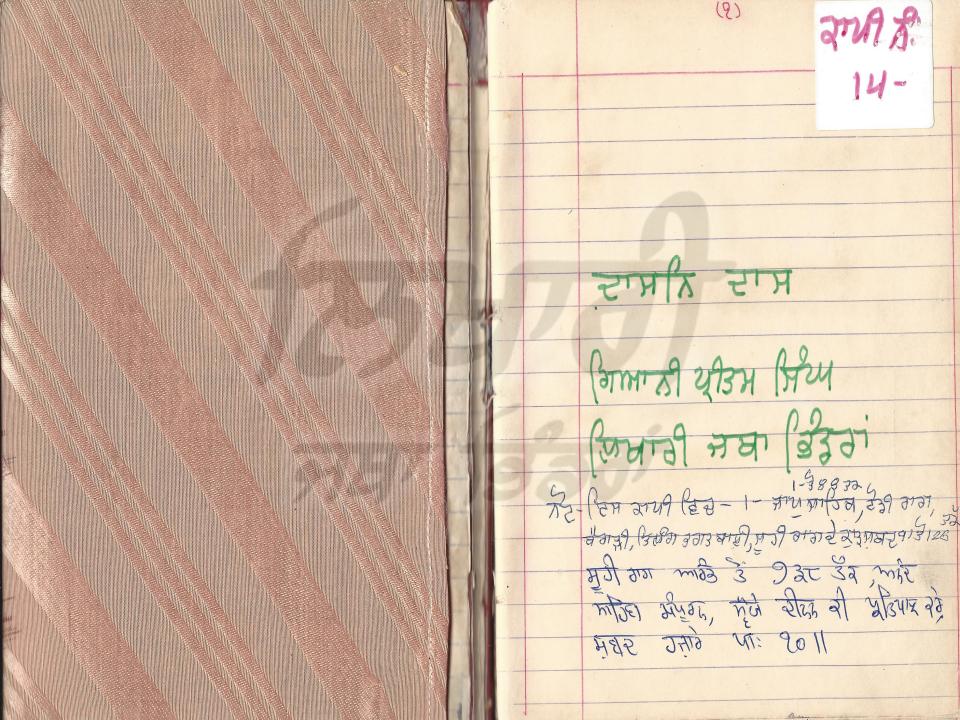
Facebook.com/GianiPritamSinghJiLikhari

## Introduction

This PDF contains the handwritten notes of Giani Pritam Singh Ji while he was studying under the tutelage of Sant Giani Gurbachan Singh Ji Khalsa Bhindranwale. This PDF contains notes of arth (meaning of Gurbani) written during the katha of Anand Sahib. This was written by Giani Pritam Singh Ji during the Katha of Sri Guru Granth Sahib Ji by Sant Giani Gurbachan Singh Ji Bhindranwale. It is a wealth of spiritual knowledge, so please read it yourself and share with others. For more books, audio and video of Giani Pritam Singh Ji and Damdami Taksal visit our facebook page:



www.facebook.com/gianipritamsinghjilikhari



उर- मेर मिस गुवसे में मास गुर महिगाव बकवायिक मेर पासे मिस् हे पहिमा वे विभी ने प्रारुपि में उन भाग की हो दिया के प्रारुपि में वा के कि के कार के प्रारुपि में वा छीकारे वह किवस विभाग पारी है से पा मिरी है कि कार रहे डां भाप ही छार हेरी मंत्रित हैर हैर है मार में दिस है कि है है है से मार में दिन में दिन में दिन में दिन में दिन में दिन में मरेपहेडे जरही पूछ में माठी मां रेपी मार्ग प्रमाप माप है कि है उन्हों से से सही मार्ग माम के महरमा है जी मार्च है है से इसे हैं से इस के मारिक के मारिक है निकास कारिक हार्या रेपी ही उद्या है भारी विदिश मां उद्दी वह वांस्कां ने डां रिवर्ष एन मार्निय का मारिक्नी हमें मार्निमा कार्य हिंह हं रंत्रे मिरिक्र प्रकार हिं रे रेपारेपीरीमिपाट येपेरी - ने अं मिस यक्ति रेवन भम हिराहमेस यरशिहें जो भिणान महां तरी धर्म रिक्षां। उ विवन - धारां के िस्त निक्र हिंदे मार् में विशामां में विदेश मार् हिंदे रिया है हिंदे से एक हैं कत्व मधान्य माना सुने दिन्हिए तवान हासिती न हम वेष्यु तरावले प्राती इड़ी ठड़ में हिमारी है हिमारी दिवहारी है। हिस कार मार मार के हिस सामित्र मी मह खार्च मिपिया हे एक इस्ता है एक मानिया है एक मिनिया है मीम लक्षामा भीउ नेषेटा उसामिय नी हेदिन भाषा नी भाग का निरंति भी विदेश में इंग्रेस प्राच मार्थ के विकार है है जिस्ता है है जिस्ता है है जिस्ता है है जिस मही का तह में माम उठी है वसने हैं। मैंग निका अब नारे दिव मीन हैं, मैंमे बार भी वह भी के कि हैं। मिस

तज्ञाषिमा मन्स अन्दर्भ प्रतिमाधी मा भाका हाना जिली घडी विधिन प्रीरी बाबी क वर मनरे में भी जी दिलाए, बाही मही भिया सामिस्व भी बेंगे मही बेंस्ट वरहा प्रदेश प- गर्ह ही, भीम शीमवी में में कार्टी में हार्टी मार्टियां हिं व एकी प्रक्री में हैं मिक्स कि कि हम निर्मा कि हिंदि स्मानिक हिंद हम हे काकी और या है कि हम हो मार्ग हैन में डे परादी हैन में मानिमां हैन व कवी पनती है जी उन्हें मार वासी गुर्म व सिक हिन मड़े पाउमिर सीर केरा के मार्ग हिन मारी िकाकी नगर देवी असे मारे एक दे प्वान सीमिसी नुस्त है।। कुलिक महत्र मार्थ विकि भी प्रामरेह की त्वन में ही प्रमान हिंदी का किया है कि है मार्ग के वहीं भार के कि के कि भूत वस्त कार का तेया है या में इस्ता में उस में में विश्व में में विश्व में में विश्व में विश्व में विश्व में कि इस मी हिंसी में एक हिंदी मार्थ हो है है ता है है मिर्म है मिल ह कि एम कि कि कि वार में एक ए में होनाय कि कर मार्ट में में मिल कार भुष के मार्क अवा अधिमार में, अपने हुरेय समाप अवाप रुडायी महिवाय दृहता हिने झा के। किस रेंगेर हे भी ह डेसाय के दंह हाम मात्रामा तर के प्र हर के विस हराह कामी मडीउड़ी । हार मिनिंद्र हर ग्रेमिनें मही कार्य एक दिन इह डि र्सार जिला 22 उपर पने हिंग्येक इपरी विश्वतिक ने जी हिंग के हिंग क किला श्रम कि हात र द्विम कि हैं है है आप में है पि स्प्रिम महिलामार्टि प्रतामार्टि विविव्ववार देवन समित र दिवित्त विभागति पदमाव देवे देवा में उद्देशामा हिन्दे वसरत हिमाम विद्वी माडी माडीमा हराइ दी है एड है हम उस कार कि है है है है

में भी देश में हिमार ताहिस्मान प्राथम विशादिहें बावव ववना ने आवे होन संक्षित में है है मासा विवेदे विस्वाम्ब्याव है भे नाव गुरू दिने स्विस के हा विशासिक दिया राजी सा है मार्टिश में करीय में इंस्टिश में एक देवे पांच कर विकास में के कार है मार्टिश में के कार है में हे एही है उनि सिट हा एहं डिमारी इस एका एकी है किए भारपी है डिम उड़ पिकां भी भवतां मह परिता के विशेष हैं है में महिंद में भारता है। विशेष का कि अंदिया पे विषया है। एकार संबिधार के विश्वास किल्कि हिला के कि है है है के मार के हैं के मार के हैं है के मार के हैं के मार के म किए हुने हैं हिए महार ह तही और भिर्म है यह बन्त एही है हिरमान हिंह विश्व कि है उर ब्राक्स प्राहु के के समित है है साहित प्रकार में महिता का प्राह्म है वर्ग है क्षित्र हिमारी है मने दिनि कि उन्हें हिमार निमार्ग के प्रमार है। माधीमा सिंह के कि में प्रमान भारति हम माधी के कि के हिन है कि के माधी माधी माधी है हैं भी क्षा होड़ है ही। है कि वाह कि मिल है सिए हाम है है हता महि है नि कार है हता महि है क्ट्र मड्टिष्ट देमें हिर्गे सिरा है कि कि कि कि किस मिल हिर्म में विदेश के विश्वाम मिल मिल सएहिरिनेपिय हि भारत में हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स हिस्स मिरिक्टिर विमा ह स्टालक कर मार कि दाम मार में भगद ने मार विकास कर कार प्य परिश्व भागा में सभी। भारे अन्न मुजार की प्राचित्रत, मिन्ड व, अन्तर , भागि।

पड़ि काम है का का का का का का का का का रे निकां के हे ही भा मंत्री महिन हायह करते हिन्ती के विकास कि हिमं की बाहरी देन बाही गुंबेसीकी तहार विशे ने ही में पर एक दिर वी बाही कि भी किस्डिक कि विदेश है कि एमा द्वीत इन्तर कि के विकार देश र बीह कि दिए मि का उंद्या है कि हि एक कि है मार हान्य में हुए हैं है मारीम हिए हाम मिर्म हिंह हो हिन्दर हैए मारी मार्ट हैं व्हिंड मिया हिन्ह हि गुरु मीविग रही जास्वी हा भी भाग मा गरि है सिहारी विकास वारी मुहार हिकिह इडाए यहार हिल एक एए हर हम डेराह हिने कि हिने में एही होंह हिन हमा सामा क्राप हेन हिन हैन हैन हैन हैं भी सामा प्राप की क्राप है महिना है भी सामा का करते हैं में की विग बारी है 3 महमा अतम हावीर् प्रांमत है पिया की यु उवाड है पीता माखां है में प्रमान ही पापनी वहने मारए परही वासी है हैन मार ए मेठ वरिंदा कि कि कि ति अप कि कि एक किए के किए के कि में के प्रिक्त के किए के किए मार्ग के कि मार्ग के टिर हैं ही हिल्मा हिल्मी कि महानामा हैने में एहीर हिणमा , इस गहार मी कि तिष्ठी राष्ट्री अंक हिस्से में अंग हिमार में जीता में हिलार मं मुख्य है पाठ मारी है भवास है है वह है का है में मारी है िरिक्षणाम में में अमिरिकार है हो के जिस्से मेरिकार के मारिकार के मिलिकार है कि मारिकार है कि मारिकार है कि मारिकार के मिलिकार है कि मारिकार के मिलिकार के मिलिकार के मिलिकार के मिलिकार के मिलकार के मिलिकार के मिलिकार के मिलिकार के मिलिकार के मिलिकार के मिलकार के मिलक क्रिक्टिमां हे हिंद है है के नाम दी है है कि किए के किए के कि इंडिमार के कियी मि जाना दिसामा ने निर्माण ही अपनि हैं है एक निर्मा के निर्माण की किए विकामाधीरम रित तमही के विकाम डिर्मा सिक्ष मिना माने प्रवित्तामा करा हरी

श्या है। मार् कि है है के काम है का कि महिम के किया है मी में कि किया है। मान्द्री । देनवर्षे मेन्द्रिय हिन्ह कि हिन्द्री है हिन्द्री हिन्द्री हिन्द्री । देन्ता में वने हें मुरुष्ट हाले ही वने हे हे विकास में भी (भाषि) मुंच में विषय ही ही है भागवा ट्र यह है में में भी मासीह उसे एक है कि है एसे डिल्डिशंत है कि एस है है है फिकारे ही जो जे जनाउ मिसिमा मी जां पुरा रे में हिन भीने हाती सेए री वी सेन वाला ही जिला मि हरें कि उत्तर में हल्हम नंह दित पहाम महामा उत्त मि र दिलांग्डाए पास्ट हो हाया है समार है जिस है मार्ग पाड़ांग की है महिला स्ट्रांमा है मिनिड के अमिट बाही जीवादि मारिस में मारिस है कि मारिस कुन कर वार्टिन्हारियामा कि एकी ज्याम दिस्त कुर्व मार्गिक्षा दित दि है स करी महत्त्री हसी गरिस्स हम कि एक मासीम है या इतामारी करी है मि किया मासिया से कह र अवस्थित मार में उद्योग मारी हाता है। विकास मिरिक हिने के एक की कि कारी कहा आहित पारिकी मारा में

े १६ माउँ वाच युमानि 3

है - इसारा किया मिर्गित किया है। हिंद मिर्गित किया निर्मित किया निर्मि मिंडिला की केनड़में से समें इन मिंडिला विग बहारिन हैमें पूरी नित्र हम्परे वित्र हिस्स हिस्स हिस्स हिस्से हिस हिस हि । किमा हम है भा धुर झाड़ी इसावा हेराइमें दिया भारे हम रा था। ही न्त्रम ॥भाषी हिमार दिसार हिस्स हिस्स हिस हिमार कीम हैनम है कर हम रहाम होने हैं मार्थ पर कुछ होने हैं मार्थ हिंद मार्थ है गुरा ही प्रापनी द वरे, मार्गर, मूंड ने वित मंच प्रापति निमामने मारी मार्थ है हैं हा प्रापित विकास के हैं में मिला व मारे गरा। मिडिग्र अधिकाम मिडिस मेडी एडां, कर मिडिग्रंब पारे (म उनमेडी) माम किएमड मार्थ हो बिला हिला है कि है हिला के कि मानाम अर् गरिमा समीमा प्राट ने वास्मामा क्व वडर अवहात किए छाड़ है। देहर एडा नामा है। भा हिमा महान निर्धा मार्गिक मां काम तिमां। मारिट हि डिपरेम हिंदे हेयते मयर वीच हामने कृत् उस्ते हिंह भारतिमा ।। जहां मिरिड मिमा कि के मिरिनामा हाई जिस्ह म हिन्द अम से मामियां जिया हा नावा - थेम ए वडा हिन्या। मर मेडिय प्रवात दि। वत्रुपं मारिय तीमा । महर उचाह गर मायीमा किरि ही मंग के महिल किरिंड कि हिर्मि है कि विकि

व्हासाम में की हिम ह है है वह वह है से से कि है से कि में मानी पर है कि है कि स्डिवि वरेरे अलग हवअधमवासी हावीवडरा वर्ष ने हैं गुकां में महिनाव हवन ही माप र्थे हैं अवं ने किया है वि कार किया है आप किया है कार किया है भुवाउत मुजाना मी अधार प्राची अधार प्रतामां हार्थ अप्रतिक्षाउप पर मा में भाषी में सा गाउं रा ग्रंस में प्र प्रिया है हम है प्राप्त है मार्थ है वा सी अधिमा उन्न ही हिंड मार्च यु मा हैर सा पाठवठता में मामी में हिन्साई सेवाव विश्मां अंगुजी सा पाठवठता किएड़े भारी पाड़ हारी है कहा मार्ग भी है तहा मार्ट ईंट रिसामित कि दि हिमही मार् डिसी है हांभाकि विन्हांभाकि हाम रे मा पान प्रह्मित का प्रहाशिक कि हात है कि हात है मा कि कि हा उरे मा जिल्लामा है। अमा हिस मा भी ह उरे मा अई है हिए कि मा महि असी है कि भिमानी के इसमें जुंबा है जिसी भिमाने पाम प्रकार कारिया भी है उन मंत्र है जिस कि भी भी माश्चित में असा ही मार्थ किए हिस्स हिस्स हिस्स ही समाद्वीय है मार्थ निर्वेष है कहा है भी सिर्ध वियाभी यह भी है जुन आपि एक है ने आ है साम किया किया है देन नी परंश हाला 

M

2 नामें वित्व वर्षे वेत वर्षे वेत माने वित्व है । यस हा विश्वास वर्षे वा के विवास वर्षे वा वर वर्षे वा वर्षे वा वर्षे वा वर्षे वा वर्षे वा वर्षे वा वर्षे वा

हे. भिड़ा ने वाडी (मक्ता) किंद्रम । महा वेवह गंसे वेवह

उपहुर्द ग्रम माथ हिन इमाहिन ग्राह्म बावमेरी याम महिहि

प्रमार किता (के.स.) तहा कथा ही आमा वासाअं तेच ववव भड़ाहि । सन् आमा भाग भुवा दिन्हि बेला सहि वाहासी आन्या का असा मेंद्र

मा क्षिम ता प्राप्त के हिंदी त्रा भा प्राप्त है है । प्राप्त के के कि । भा कि कि । प्राप्त के कि वा भा कि कि । भा कि कि ।

त क्या नन क्या हुन तह मन होता है। उन में में हे बार हा के के प्रकार है। विच ति के प्रकार है। विच प्रकार है। वि

उनासा मान होते हैं होंग उत्तर मार्थ के विश्व मार्थ विश्व मार्थ के विश्व मार्थ के विश्व मार्थ के विश्व मार्थ के

प्रविचार है कि राम है कि राम है मही मही मही कि है कि राम है कि रा

किया के हिन है कि एक माने माने के हैं है जिसे किया है। जिस् के किया है। जिस्के किया है। जिसके किया है। जि

माद्र इमाज मम्डिन सिंहा इन क्ष्मिता के वित्र हु सम्बद्ध कुट हा अपूर्व के स्वाप के वित्र कि स्वाप के वित्र कि सिंहा सिंहा में कि सिंहा सिं

उग्र अभिमा हिन्द्रिमा हिन्द्रिमा हिन्द्र अपने विषय मवरी वे भागी मुक्त पर व्याप विभाग वर्ष हे अति भाग हिन्द्र अपने विषय मवरी वे भागी मुक्त वर्ष उत् विश्व विभाग वर्ष है अति भाग हिन्द्र अपने विषय वर्ष उत् विश्व

मार्ग महानुमा हिए हो है है ते हैं है है ते हैं महा हिता है प्रमें के हैं है महा है एस

र ग्रेंगान कि या ने दिता वर्त ने हरा था ने हिता की दिवाम कि महा निवह है। इस्तान कि या ने दिवान करा मान कि स्वाम कि स्वाम

का भारेर अनिकार के व विविध विविध विविध करें कि मार्थ के कि के के कि मार्थ

माराष्ट्री है है है हिए हैं तमारे महमां या विमान है दसा हि हों है जिस मिकारी प्राथमा प्रतिकार प्राथमा विकास मार्थ है साम केंद्र मार्थ है से किल्क हैं इस एम एम महाराष्ट्रिया महत मह महाराष्ट्रिया है के का हिन्द्र माता मन् ने महा निया है। वह अधा क्षेत्र है है में ही का या है M डाह रेड किला कि किला के किला है। मा ही कि है में कि कि मा है कि मा है। कि किला कि अर हे इसे हा हम महाहमा हिन अमा कार्य महाहमा हिन इसे हिन है जि मिन्तां है समारे नाम कार्य कारा हिडा मार्च अधिहि-हिमाम के(दिस् ) धिकामां ने विमामाहिन सरोहिन के गरा। वान के में निमारी भग अंगिम प्रियमि सिमारी मार्ग ही मार्ग ही दिया की यहां है है सामान के ताह है की वाह है के हैं मान कि का है। मान कि ह हिस्स हिसाम है। मार्च है है समार्थित कर में उन से हित कराहत एसी एस तार मियत किर्ध हिर्धित हि कि मान मिया में हर्म श्रिमी भिर्म न मामा रेमा श्री राधाना ।। मिन हा वह इमान म्प्यमा विशेष विड्रामारी पार्टीमे वित्रां माप १० तमं समामा जीवमं वृद्धीरियातिक के काम कुरा दिया। मिनिया पारियातिक विश्वास १२ है सिम मिमा ने ज्वम ਵਿਚ बुल हिंडा है।। अभवाम अवन्ता आवां। त्रिम भी पहिल्ली में स्टिक्ट में हैं परी

ाह काम ह समी तर्ने हें के हैं हैं के लेंड हैं कि लेंड हैं कि हैं के कि लेंड हैं हैं के हैं कि लेंड है मात्र वर्ष मार्थान्य में हिन्सामां वर्षा मार्थहा नामप् इं आर है मारि : 10 हे लिए हीर हिस्सा दि हे हार हि जमार है ज्या जामार िन्द्रम मडहर्मिति विक्रिति मामीमार्गिति क्षिप्त कामी नाकि हि है विविधाई। परि विद्यानिक समित हमीमा है। इस मिन है परि गर हिम स्मित है। है मारि भारि है उठ है उत्तर है डिल्ड है। हिण्म सर् हेर ने भारित भागित भिक्र हि रिक्र के आसीमा इसका मेर्ड करी हिए हड़ी हमस् ए एक र ए ए ए हिए हे हम्म में के वि कि कि क्ष मक्रा है जे यह भाष्ट्रा केंब्र होत्र रा भारतात क्षारा है। ये विश्वाम की देव भा के बहुत मार्थ के का के साम कि मार्थ के भा के का का का कि मार्थ के साम के साम कि मार्थ के साम का का कि का कि का कि साम के साम का मही है है एक दिसाहीया अव्यक्त है किएक हिसक आयाहित प्वार पर हीन पात हे मारे हाए तिरे की वन है है किए माम्बल्ध भी के सी पावडे जा महत्व के मत्राची पक सेपत

महाडाकर हिस्स हार हिला राह देशा रहे प्रमा है नाडा का मीडी हाता मुक्त है पा देवारा परावे प्रहार मिति हो।। हैम मित्र पारि हमारे जिसम्प्रकृति । हिस्स हमार हमार कि हामंग ममारी किसं ने गमण बाह कर स्टिश्री करा निविपा सामाना । हिल्ले महिल उरी से नेवही ही हामूम पैवीपी पाम मार दी गाम गिरामां है हैं मिता है कि हैं विकार की हैं। है विकार की लिए हैं। क्त हिमार्ड में डिक्ना दिया हमा हमा हम हिमार समानिक है ११९ सारेश केया है मारे किया है सारी हमारे हो कि किया है कि कि किया है कि किया है क उह नम तवम में मुड़ गण। में में शिक्षा मंत्र में गड़ार किंग में मिला जिस दीवडर पुत्र हा गुनं हे मयह वतने में करित हरा है।। गिरमाश्रीर विरुद्धि ग्झारमे हिन्डिसम डिसम (मण्यीम गड मधरे मुजारा मरा मिरिका मिर्डा मुसारिमा किया है मिर्डा है हम हिसार विद्याप में में अहा है भारति है समा में निका मार्ट में र रिविकाक त्यार रिवर्ट हिंग दिवडी बीडी। है। भाड़ी है करि पारिकान छित छिलांड में जाका वत्र हाले विवरेगा हा छित, माना की मुख्य देश अर्थ है। का है है। वह मान मान मिरिका महिना मुन्तिमा-गुरु मी अधिर उत्तिमां मिन्नावां में मयर क्षेपरेम तिमान का महाक्रिमा निरुप्त के प्रिया मिर्म के किस्सित मिता किसित काम्यित

रा निका मिला हिमा किरा में वानम्ब करते उठी सामिन् माम दिए एतामारी हे मं रित निर्माण दिमहीर पट्त मिल्ट ॥हारि इ 3 ने मन्दर महा मनाम बरमां बर्व विकास नहीं भीता है हा हिंदू मार्के मार्ग प्रमानि के मारि कि मारिक हिला मारिक हिला ठठ जारि मरामा विरे मेशिम ने विवास के पा वर्ग हा सापत वर्ग महम् उठ हमी ही एकास डीसम छंडिए एस । मड्रोक्षित महम कि अप है मुझ बन मन हिन ला वर्ष के वा मन दा मू ने अवन क हैं किए हैं किए हैं भी हिमारि - किम ह जिस हि मार्ट मार्ट मार्ट अंड न्दा में दिन करम कार्न जाविमा (असे) हिमें क्या महिक्त करम अत डिस है। इन द्विम प्रहार वेना प्रवा दिस है। इस इस देश देश देश है। मार्ट समा है है। है कि विकिश्माधीमा के दूरम प्रकार गरि महस्र जिस्सा बडिमा है ।। भीड है है उसे ।।। में उन हैं इस । है महार वर्ष करा मिर हेडम हुन हिन हो है कह में हिन कही हिन मह है भार जरा। किनि विष्ये मेराविष्मा कुरिसा रिमापी दिस्से जरा। हा-हेरा में के गाएडिम है हा से जाम की पड़म है हां मुच्हें जरी गत रहा महिमार कि पात है कि है जिसारी मारिह के हां मारिहा को मुख्रे मरी बुद्रियान विभागी हेरां हिन किन्दे गा । वर्ने काने वर्ने पर मेडी हांस ही माठी के मार एक कि पह किया है करी माठ उन

उठ जुहे दिन अभागन हिडा है मच वेस्ट है। जिलाहर हरी हिलाहर कराइन रिवमक निरं बन्ने रिवमक समा ने विद हिमामा ने विद माहां सिमा विकां काहे। बाउन् र रिक्सल जीपाए रिक्सल बाउक्न रिक्सल मेहा हम्त मीमार कितार विसेत करते महिला देवत ही वमारी मिड कार्य छमरती हेटाह केडीन टिनेहि डिमार डि शिर डिनंह डिक कमार्ड पड़ेन प्रती महिंगारी प्राची हैं। यह मिरा हिंदा। कि है। यह मिरा है मणी मन हिन समा वासी ।। धिमा मन हिन समा विभाग - दिसम्या दिक हुन में के हिंदी है कि है कि मार्थ भारत कि के विकार के कि कि के कि कि के कि कि के कि कि कि कि कि न में मेरी मिस ग्रेंस है महमस देश करेग हैं है महमसमिस देश सी भाव हरी हम छाड़ हरक माहि है है। उठम है अगुरम हि हैशाहित हा है ह एस हिंदीत में खासम महामा कहीर महिल्ड एए दिस एस हिंद वाका माना में है कि ए वर्ष प्रमाण देवह किरानम देव कामा के ह केर महा केंद्र हैं। है महा के महा के महा के विष्ठ महा के विष्ठ के कि मिर्व सुरुव मुस्ति मिर्मिस वृद्धि बार्व मायाना ये विद्धि विषय नुस्ते अभिय रव की मिजा में हे हिंग मिस मरूपस प्रशास की हुन के मारे ।। उत्राम्भेषां में हिन बना व भारा विद्या ने सम्बद्धी में से प्रियं वेषे वाडिं महीहारिक हमापनी हमाय है हिन है हिमह दिमा दिन हिमा - ज्वां व्वार हिन १२ इवां समामां उठ मिलसीमा हिम प्रवान

प्रामिश्वाद प्रकाद मुक्त हिंद्रमाधीम दि एम हमारित रहा मार्थ मिरि वाडी। मारी प्रांवाडीमा हि मारिवाडी मारिवास । जिसे विकार निर्माण कर्णा मार्थे । उन्हर्म मार्थे में महारा है है । महारा के महार के महारा के महार के महारा विष्ठी । वुवाद वादी भारती वादी हिंदां महतां दी स्मिही वादी है।। यह कि केर का दिन कि कि मानामाहिला कि का दिनामा ने का दिनाम हमा है व नाय से (वहारी) वहा आहिडी अपी वै (हा) विमामक व में महिड या अवी विकित्त मानित वर्ष प्रसीव वर्म मेरे विवरे दि ता ममादी। कितां केरि हिसामा रखी हिली है कि पिर सम्मार कि लगाम कि कि (किर है महिंड कि उट उन मिना है हिंदी है हिंदी मार 150 विक विशा है है एमा मी है है है है सारीह नहीं है है हि हो सार है वह हेगरेंग है भाग के ही यह सारें हैं के वर्ग में महिता है सारे हि असर बर्गा कर पहुन था था दा माथ मिया ने था है।

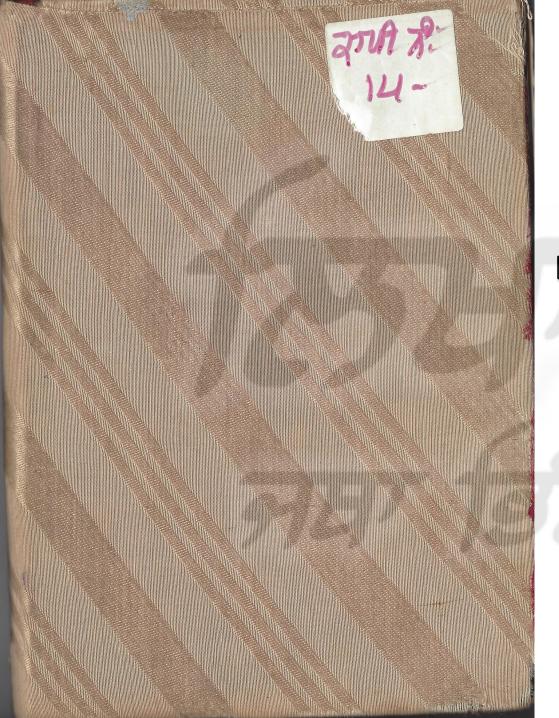
- (स्मार्क समित्र माराजी सामित्र अप कर मिया ने कर स्था कर समा आया।

- (समार्क समित्र माराजी सामित्र समाय सामित्र कर समाय सामित्र कर सामित्र मञ्च मेडी भन्न दिम कि तम मने अनिहाम प्रामे कितां रा मसर ताम मा निक्रिया है कि है या है या है कि ही ताम जात उहार के किती

शिक्स तिर्हा है हि एक हिन एक एक किस में सिंह मित्न ता में अ कृताका मिमान उनने मार्ग एवम हत्याहै। मार्ग मिन्दम ववसाध मक्तां रहा) प्रथ प्रिती सामाना वस्ते उत्पाहका रिक्तंह हमडी कि हक्कमती है भाषीम हि हर्ड गामा दी का विक् विकाशी ज्वा हक्डारे भागी हैसी। उसम बन्दे भाग मिहंस किंग मेर महामाभारत जेरा ने आंरा ने भावितां में रें ने नहिस्से सम्पर्ध। विस्ति पाने महिसे सम्पर्ध। विस्ति पाने महिसे सम्पर्ध। विस्ति पाने महिसे सम्पर्ध। विस्ति पाने महिसे सम्पर्ध। विभागानि विसे अकारी। विमें बाउमस र भागा की मार्श मिरा हिल्दी पर होते हुई है एसा मिरा राष्ट्रित है। है। 29 - मिमीड मामरू पीर पाप बीका के है। म मानामिसीमांस मामझं हाले भवड राजि मदरेश है गर है कि हम्म कि इंगाम हिं के अपिश्वित अपिश्वित के अपिश्व करा है कि करा है कि उने उनि यां भाग ग्रेंत स बीकांक की बंद ने कर दिम वंदेव तद्य मित्वा हिन्न भारत हिंद भी होते अने अने भारत मार्थ भारत है सिपांड मित्री है। भारती ए एस महि हाममे डिए रिस्ता विश्व हिस्स कि विस्तान उत्तर है निमारी है मारी उस हिन मिली है कि है है मिल्लिमें हे हे जाता भारत भारत की रह होका हह जाता है। मिल्लिड के कि मार् म्प्रवाउ की वारी थे। के जावाउ मेरि हिम्ही। करां कि के के के के कार में का जा में दिल में के का में का जा में दिल में में का मना मिश्तिम हि मिल एडी ने ए मिरासे हैंडी मार ने हिंग वाही है। महा सावारी मा है में है के दिगरी हिन्या बेन दिगरी डा प्राय बदहा पर्विप्रव बेन दिग कित्र कित कित कित का का का कित है देशं कित आभा जी का का गार्टिक कार्याति है। हिस्स में हिस्स माना में हिस्स मानिक के है बार ही भवास हिन राजि मारी मवान यह हा है। हमने विर अपने मेर्स हिंदी मेर करा समित है के तुर पड़ा मर्डा माना है। स्था मेर्स स्था मेर्स है। स्था के स्था मेर्स स्था मेर्स है। स्था के स्था मेर्स स्था मेरिस स्थ

क्राया मार्थित के अपने विकास मार्थित के अपने हिंदि मार्थित है अपनि के अपने हिंदि मार्थित के अपने कि अपने कि अपन भीय , दिशा दिस हार खाडीय सम्मिता समित हें हैं है हि हमें हमा हुए एक मही मिर् 6 बेत हार्य हमाहित्र है जाहां में क्या भी बात अरिया है महाने हमाहित हम सुवार बेहा मुक्त बेहा में वर्ष राजहां तहिं कहाय मित्तर वेचए उठए केए यह देयावादी - देवामा तर केत्र वे किया स्वामाने मह महाग्राम डा मुंग प्रमान हो। माने माने के साम हो। माने के माने माने माने के मान मा किरो का कार्य होते हैं के हिले हैं है कि विकास कर स्थि। Wai H ( E E) मामानी मा किर हेल माट्टे हेल हे मार्कित हिमार्क है। है हे हे है मार्क होने केषाकित तामा किना है। विमा वेष्यु सर् साह किमा है। किन ही विविधामा निवर सेड् मिर्ड मिर्ड मार्शिमीक्षिम ॥ उस है भारत के कि हमाराजीम किम है मे महिन्दां ताल भिमने दिस दिमही विभागत हाली दिमही जैन मामादीह हैं दिससी है हमसीए एवं इस है लमु रह देवी इसिह मरे हे हम हाम बार होता महाकड़िय जीकार है हित्स हाराहि - ९ इ उत. भीरमाने हे निर हे या गामामी महिमा। किमाने हेन माह निर्मापि में उट में महत रामडे वेशिमारीए निर मी वादा भी रिवाहि हमाड तहा में मरुषा मुरुप्त दिन प्राण र रहारी। निर्य भीरत विकामपार्स ग्वी में भारा है वां वंग वा हा हि के व भवे।। हाझा शहम हे आहि।भा। पिरामारीह हमाड माडिए हमी भी है। मेरिक प्रकृतिहाम हमाडे विशामारी प्राचित्र विव द्वान हाजा हिला थे।।इनारिक्षा हान वीहरिक्षाम वे जिला मिला है कि मिला है में ति है मिला प्राट्वीवेशह न्यड उमारिमाय मुड और न्या होते हैं कार्न में हमारे मां वर्व चित्र हैत इसरी मेंगा भीत ने हिंदी ने सा सम इका भीन जागर वय हिंडा इसके इक्षात बीप अधिक भी। मिडिस एडी काम प्रमानिक का किए हिए महानी (हा) इसहें ने मान बेत बादा हिन ग्रेड में बाबा हे अवसी काबाय प्रकार में महित भार चरा। मक्रीका स्टिस्टिंगा डीकड़ निर्मा हिर देश है है सह भार हर है है । विह सह हिर में महिर उप विश्वाम उप्रवेश नुमारियाना विवस मेमटवनम समिशं वीत उर्द विरामान परिका भारे व्यक्ति बाहुगा हिर मुका अम हुंग भिर्मा हा के।। हम हु हुत परि जामिकामा है। हुन महिनाम है। मिर्व विक कि हिन्से का पव दिन में प्रमा दिवार के मा मिने हैं एक एक एक हिल्ला है समाये हैं एक माह महिल हैं है है भीमा हि शिष्ट हिमा हिमा हिमा मिन्स हिमा हिमा हिमा हिमा हिमा गरी के गर करते हैं जिस्से हिम्बी सम्बंधित हैं जिस है किए है कि वडा बाह हिसाम मिरिड है वाहे। - अर्थ मुख्य हड़ वाही है मिलिस केरीमा राइकि हा भारतीय रे उठार राज्य हाया प्रमान केए महरूम प्राप्तम िभीम ह देहें में हा में में हि मान है उस एकी भागीत में वहें में में देश होने भाग है। म केरां में कारां हामान करी है दिवामा में।

केलह में कियो मा देहते हैं में एकर ग्रेड किया शामा दिन है है हार्माणम है है है कि उमि कारन पिनी पिषर विदि पिरिमा। भेर मारक कि मां मामिशाम करिमारी में रे मारक माना है भिर् जायहे हिस एक देश है किया है किया है किया है किया है नि ने मानत महरारि ॥ मनमे-पिर्ट नम रे हा-भागवन है पापरि ने वारे ने भान निर्म कि होते हे हो महात है की कि होते हैं में मिला है में भी तहें में भी तहें में भी तहें में भी तहें यत भागी मेरे ह्वरे ही स्मा मेरे रे ठरां में मेर मी रे हवरे रे उस हल कारेमत स्टिमिया टिस्पा के हान पाणा है। (इंडे - इंडे माम है। इंडे हिल्ला संड एडे हैं है। है मिर्टि प्रमण्ड है हिल्मारा प्रमार है भाषी कहती मही हि स्थान कि भाषी इति एक हमड़े. मेडी सार इन इन हेन हम्हा भी, तुझ महिग्ने न्यान मा सुन भार मिहिंगे रे मियाउमरिक्तिति है भारे मार्थ मार्थ भी भी मार्थ भारता रहमार्थ के महामिली मिलाइए एटम एवं हि मिल्ड



For more books, audio and video of Giani Pritam Singh Ji and Damdami Taksal visit our facebook page:

www.facebook.com/gianipritamsinghjilikhari